1

LOC विवाद

2

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा चुनौतियाँ

अलगाववाद / आतंकवाद

3

जम्मू एवं कश्मीर

4

5 अगस्त 2019 के पहले का जम्मू-कश्मीर

जनसंख्या	12,26,00000
क्षेत्रफल	2,22,236 वर्ग किमी.
मुस्लिम	68.2%
हिन्दू	28.4%
सिख	1.8%
बौद्ध	1%

5

5 अगस्त 2019 के बाद का जम्मू-कश्मीर

6

Jammu & Kashmir

प्रमुख घटनाक्रम

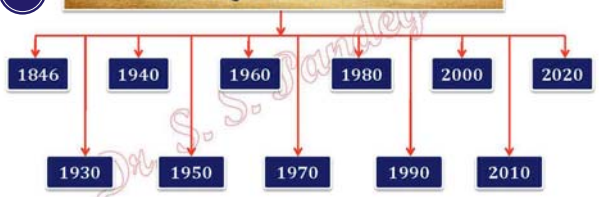

7

- 1846 – जम्मू के राजा गुलाब सिंह के द्वारा 95% मुस्लिम आबादी वाले कश्मीर को ईस्ट इण्डिया कंपनी से, अमृतसर की संधि द्वारा 75 लाख रुपये में खरीदा गया– फलतः कश्मीर के मुस्लिमों ने यह कभी नहीं स्वीकार किया कि खरीद कर उनके ऊपर शासन किया जाय

8

- 1932 – शेख अब्दुल्ला द्वारा 'All J & K Muslim Conference' का गठन और कश्मीर की आजादी का आंदोलन प्रारंभ
- 1939 – 'Muslim Conference' का नाम 'National Conference'

9

- 1946 – 'National Conference' के शेख अब्दुल्ला द्वारा 'कश्मीर छोड़ो' आंदोलन– फलतः शेख अब्दुल्ला गिरफ्तार

10

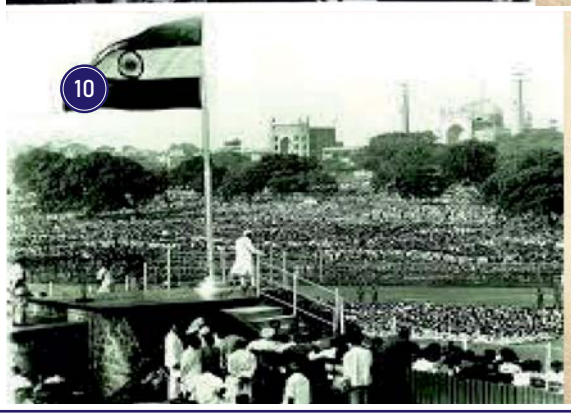

- 15 अगस्त 1947 – भारत आजाद और हरि सिंह द्वारा विलय संधि पर हस्ताक्षर से इंकार

- 22 अक्टूबर 1947 - भारत की सलाह से, शेख अब्दुला द्वारा कश्मीरी मुस्लिमों को भारत संघ में शामिल होने का सुझाव– फलतः पाक के समर्थन से पुंछ क्षेत्र में कश्मीर की आजादी हेतु विद्रोह और कबायली के रूप में पाक सैनिकों का प्रवेश और विद्रोहियों का सहयोग

11

- 24 अक्टूबर 1947 - पुंछ विद्रोहियों द्वारा आजादी की घोषणा (आजाद कश्मीर)

12

- 26 अक्टूबर 1947 - हरिसिंह एवं भारत सरकार के बीच विलय संधि पर हस्ताक्षर–

⬇

जम्मू-कश्मीर भारत संघ का स्वायत्त राज्य बना रहेगा एवं रक्षा, विदेश, संचार भारत संघ के पास रहेगा

13

- 27 अक्टूबर 1947 - जम्मू एवं कश्मीर में सुबह भारतीय सेना का प्रवेश एवं पुंछ इलाके में विद्रोहियों से युद्ध प्रारंभ

14

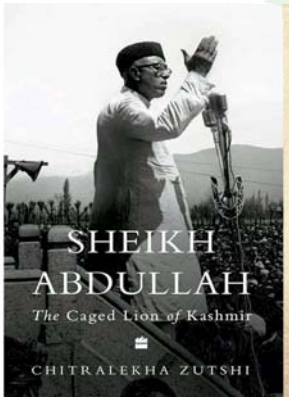

- 27 अक्टूबर 1947 – शेख अब्दुल्ला द्वारा इस संधि का विरोध और जनमत संग्रह के द्वारा कश्मीरी जनता को निर्णय लेने देने की माँग

15

- 28 अक्टूबर 1947 - पाक द्वारा भी इस संधि का विरोध एवं जनमत संग्रह की माँग और इसे अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा बनाने का प्रयास–

फलतः नवम्बर-दिसम्बर में एक तरफ युद्ध जारी तो दूसरी तरफ अंतर्राष्ट्रीय दबाव में वृद्धि

16

- 1 नवंबर 1947– गिलगिट बल्टिस्तान की स्वतंत्रता की घोषणा

17

- 1 जनवरी 1948 - नेहरू जी द्वारा यह मुद्दा UNO में ले जाया गया फलतः UNO द्वारा UN Commission on India and Pak का गठन तो इधर युद्ध जारी

- 1 जनवरी, 1949 - 'युद्ध विराम संधि' एवं इस बात पर सहमति कि यथास्थिति को बहाल किया जाय– फलतः जम्मू-कश्मीर का 54% हिस्सा पाक के हिस्से में (जिसे पाक ने गिलगिट - बाल्टिस्तान तथा 'आजाद कश्मीर' नाम दिया और उसका 19% भाग 1963 में चीन को दे दिया) एवं शेष 46% क्षेत्र भारत के पास (वर्तमान जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख)

18

19

- 5 जनवरी 1949 - 'UN Commission' द्वारा 'जनमत संग्रह' का सुझाव एवं इस हेतु दो शर्तों के पालन पर बल-
  1. आजाद कश्मीर की आर्मी को भंग किया जाय
  2. पाक (पूर्णतः) एवं भारत (अंशतः) अपनी सेना हटा ले

पाक का इंकार, इसलिए भारत का भी इंकार और विवाद आज भी कायम

20

- 17 अक्टूबर 1949 - धारा 370 भारतीय संसद में पास और भारतीय संविधान के भाग 21 में शामिल– जिसके अनुसार–
  1. भारतीय संसद को जम्मू-कश्मीर के बारे रक्षा, विदेश एवं संचार के बारे में कानून बनाने का अधिकार बाकि मामलों में कानून लागू करवाने हेतु राज्य सरकार का अनुमोदन जरूरी
  2. धारा 356, 357 और 360 जम्मू-कश्मीर पर लागू नहीं (1964 तक)
  3. भारतीय राष्ट्रपति को जम्मू-कश्मीर के संविधान को बर्खास्त करने का अधिकार नहीं

21

- 1951 - कश्मीर में चुनाव, 'National Conference' की जीत, शेख अब्दुल्ला प्रधानमंत्री
- 1952 - 'दिल्ली समझौता' और भारत के राष्ट्रपति को जम्मू एंव कश्मीर हेतु संविधान संशोधन का अधिकार

22

- 1953– शेख अब्दुल्ला द्वारा जम्मू-कश्मीर को भारत का अंग मानने से इंकार एवं आजादी की माँग फलतः देशद्रोह के आरोप में शेख अब्दुल्ला गिरफ्तार
- 14 मई 1954– भारतीय राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 35A लागू (यह अनुच्छेद जम्मू-कश्मीर राज्य विधानमंडल को जम्मू-कश्मीर का 'स्थायी निवासी' परिभाषित करने तथा उन नागरिकों को 'विशेष अधिकार' प्रदान करने का अधिकार प्रदान करता था)

23

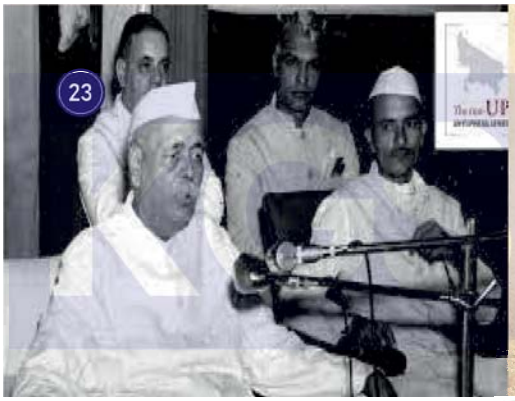

- 1955 - सार्वजनिक मंच पर सर्वप्रथम भारतीय गृहमंत्री गोविंद बल्लभ पंत द्वारा जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया गया और जनमत संग्रह कराने से इंकार किया गया

24

- 26 जनवरी, 1957 - जम्मू-कश्मीर का संविधान लागू व उसमें भी जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग स्वीकार किया गया

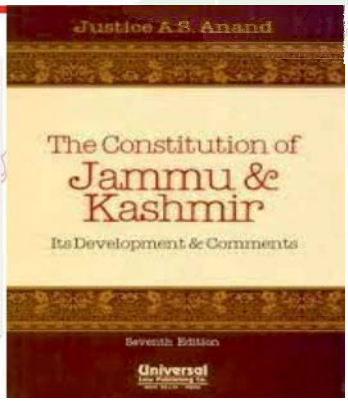

25

1960 का काल

26

- 1962– भारत-चीन युद्ध और 1963 में चीन-पाक संधि

27

- 27 मई, 1964 - नेहरू जी की मृत्यु और लाल बहादुर शास्त्री भारत के प्रधानमंत्री

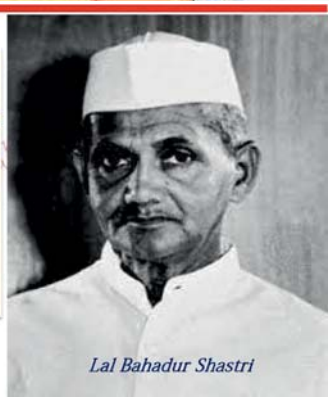
Lal Bahadur Shastri

28

- 1964 - मकबूल बट्ट एवं अमानुल्ला खान द्वारा JKNLF (J & K National Liberation Front) की स्थापना (1977 में JKLF)

उद्देश्य – हिंसक तरीके से कश्मीर की आजादी

29

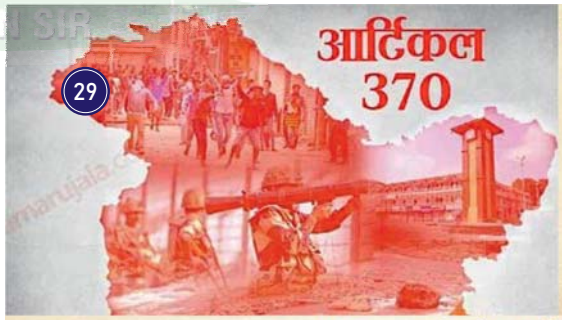

- दिसम्बर 1964 अनुच्छेद 356 और 357 जम्मू-कश्मीर पर भी लागू
- 1965 - कश्मीर में अनुच्छेद, 356-357 को 370 का विरोधी बताते हुए आंदोलन प्रारंभ

30

- अगस्त 1965 – पाक द्वारा 'Operation Gibraltar' प्रारंभ फलतः भारत-पाक युद्ध प्रारंभ

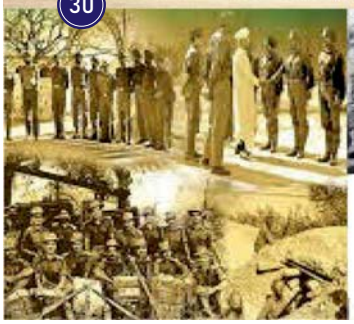

23 सितम्बर 1965 को युद्ध विराम

31

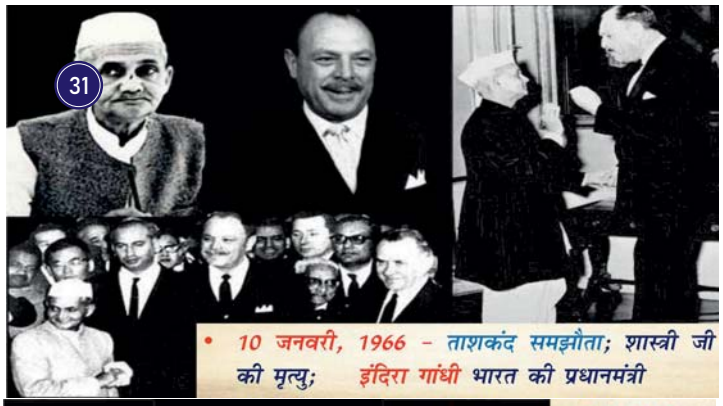

• 10 जनवरी, 1966 - ताशकंद समझौता; शास्त्री जी की मृत्यु; इंदिरा गांधी भारत की प्रधानमंत्री

32

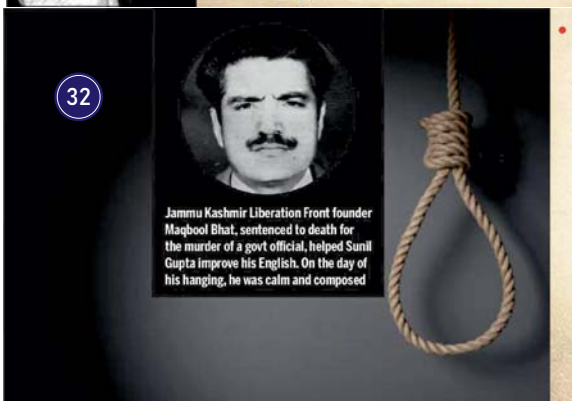

• जून 1966 - मकबूल बट्ट भारतीय सीमा में प्रवेश करते हुए गिरफ्तार एवं फाँसी की सजा परन्तु... 1968 में फरार

33

1970 का काल

34

• 1971 - इंडियन एयरलाईन्स के 'गंगा' विमान का अपहरण, जिसे लाहौर ले जाया गया और यात्रियों को उतार कर बम ब्लास्ट कर दिया गया; जिम्मेदारी मकबूल बट्ट ने ली

35

• 1971 - 26 मार्च को बांग्लादेश (मुजीबुर्रहमान) द्वारा आजादी की घोषणा; 3-16 दिसम्बर तक भारत-पाक युद्ध; युद्ध में पाक की हार और बांग्लादेश स्वतंत्र

Cease Fire Line का नाम हुआ LOC

36

• जुलाई, 1972 - शिमला समझौता, तीन प्रमुख बिंदु-

1. भारत और पाक, कश्मीर विवाद को आपसी बातचीत से हल करेंगे
2. दोनों देश LOC का सम्मान करेंगे
3. सियाचिन क्षेत्र में दोनों देश की सेना नहीं जाएगी

• 1976 - भारत में प्रवेश करते हुए पुनः मकबूल बट्ट गिरफ्तार (1984 में फांसी)

37

38

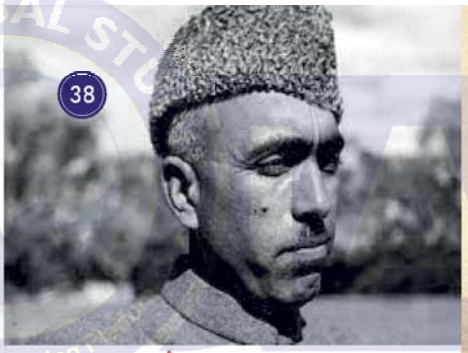

शेख अब्दुल्ला

• 1977 - शेख अब्दुल्ला द्वारा जम्मू-कश्मीर की स्वायत्ता की माँग तथा 'संचार' एवं 'विदेश' मामलों को जम्मू-कश्मीर को देने की माँग-

फलतः जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन लागू

39

1980 का काल

40

IRAN

• 1953- तख्तापलट

• 1979- ईरानी क्रान्ति और इस्लामी गणतंत्र की स्थापना

AFGHANISTAN

- 1978– तख्तापलट
- 1979– USSR द्वारा आक्रमण
- 1989– USSR की वापसी
- 2001– USA द्वारा आक्रमण
- अगस्त 2021– USA की वापसी और तालिबानी सरकार का गठन

PAKISTAN

- 1958-1973– तख्तापलट एवं सैनिक शासन (अयूब खान)
- 1977-1985– तख्तापलट एवं सैनिक शासन (जिया-उल- हक)
- 1999-2001– तख्तापलट एवं सैनिक शासन (परवेज मूशर्रफ)

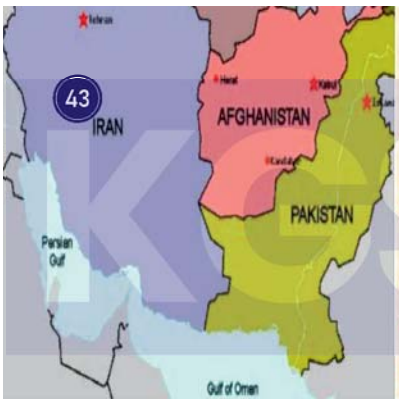

प्रमुख आतंकी संगठन

- 1970 – हक्कानी नेटवर्क – अफगानिस्तान
- 1982 – हिजबूल्ला– लेबनाब
- 1984– HUJI – पाकिस्तान
- 1986 – लश्कर- ए-तैयबा – अफगानिस्तान
- 1987– हमास– फिलिस्तिन
- 1988– अलकायदा–अफगानिस्तान
- 1994– तालिबान–अफगानिस्तान

- 1982 – शेख अब्दुल्ला की मृत्यु
- 1984 –
  - मकबूल बट्ट को फाँसी
  - 'ऑपरेशन मेघदूत'
  - पंजाब में आतंकवाद और इंदिरा गांधी की हत्या
  - पाकिस्तान में Fazlur Rahman द्वारा HUJI का गठन

- 1986 – अफगानी आतंकवादी अब्दुल रहमान द्वारा 'लश्कर-ए-तैय्यबा' का गठन (अब नेता– हाफिज मोहम्मद सईद – जमात-उद-दावा)
- 1986 – जम्मू और कश्मीर में सरकार अल्पमत में – फलतः राष्ट्रपति शासन लागू

- 1987 – कश्मीर में चुनाव, फारूख अब्दुल्ला CM; चुनाव में धांधली का आरोप और जनता में असंतोष

- 1987-88 – अमानुल्लाह खान के JKLF की घाटी में सक्रियता– लोगों में असंतोष– फलतः गरीबी और बेरोजगारी के मुद्दे पर जन आंदोलन तीव्र

- 1989 – एहसान डार और सैय्यद सलाहुद्दीन के नेतृत्व में 'हिजबुल मुजाहिदीन' का गठन

उद्देश्य – कश्मीर का पाक में विलय

(2017 में जाकिर राशिद बट द्वारा 'अंसार गजावत उल-हिन्द' का गठन)

- 14 सितम्बर एवं 4 नवम्बर 1989 – आतंकियों द्वारा प्रमुख कश्मीरी हिन्दू नेता नीलकण्ठ गंजू एवं टीका लाल टपलू की हत्या- कश्मीर में विरोध आंदोलन एवं कश्मीरी हिन्दूओं की हत्याओं का दौर तीव्र...फलतः ढेर सारे कश्मीरी हिन्दूओं का पलायन

51

- *8 दिसम्बर 1989 –* रूबिया सईद का *JKLF* द्वारा अपहरण और बाद में... *JKLF* के 5 आतंकवादियों के बदले में रिहा

52

- *19 जनवरी 1990 –* जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन और जगमोहन गवर्नर नियुक्त

- *20 जनवरी 1990 –* लगभग 2 लाख लोगों द्वारा भारत के खिलाफ विरोध प्रदर्शन– फलतः भारतीय सेना द्वारा गोली-बारी एवं 100 से अधिक कश्मीरी मुस्लिमों की हत्या– फलतः भारत के खिलाफ कश्मीरी मुस्लिमों का विरोध तीव्र और लगभग 4 लाख कश्मीरियों का भारत के खिलाफ सड़क प्रदर्शन तथा जनमत संग्रह की माँग और कश्मीरी हिन्दूओं की हत्या एवं लूटपाट

53

54

- *मई, 1990 –* मौलवी फारूख के नेतृत्व में भारत का विरोध कर रहे 2 लाख कश्मीरी मुस्लिमों पर सेना द्वारा पुनः फायरिंग – 100 से अधिक कश्मीरियों की मृत्यु– फलतः गवर्नर जगमोहन का इस्तीफा

55

- *जुलाई 1990 –* जम्मू-कश्मीर में AFSPA लागू - हजारों की संख्या में कश्मीरी युवाओं का भारत के विरोध में पाक पलायन और प्रशिक्षण प्राप्त करके भारत में प्रवेश एवं आतंकी गतिविधि प्रारंभ

56

- *1992 –* भारत में आतंकवाद के विस्तार के उद्देश्य से बांग्लादेश में इलियास कश्मीरी के नेतृत्व में *HUJI* (हरकत उल-जिहाद अल-इस्लाम) का गठन और लश्कर-ए-तैय्यबा द्वारा डी-कंपनी से संपर्क
- *12 मार्च 1993–* मुंबई में सीरियल बम विस्फोट

57

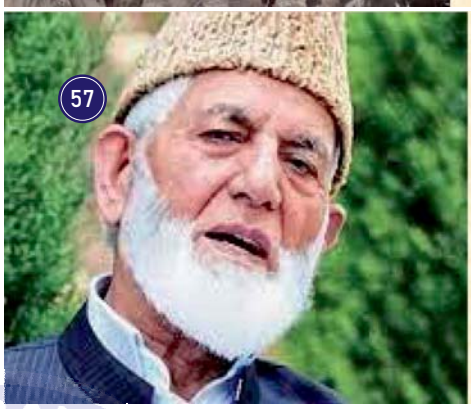

- *मार्च, 1993 – 'All Party Huriyat Conference'* का गिलानी के नेतृत्व में गठन, जिसमें 26 भारत विरोधी संगठनों ने भाग लिया

उद्देश्य – गैर हिंसक तरीके से 'आजाद कश्मीर' की माँग

58

- *अक्टूबर 1993 –* पाकिस्तानी आतंकवादी *Fazlur Rahman* द्वारा *'Harkat-ul-Ansar'* का गठन *(In 1997 'Harkat-ul-Mujahedin')*

उद्देश्य– कश्मीर का पाक में विलय और इस हेतु कश्मीर मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा बनाना

59

- *फरवरी, 1994 –* आतंकी अजहर मसूद कश्मीर प्रवेश के दौरान गिरफ्तार (1999 तक जेल में)

60

- *मई, 1994–* पाक सेना द्वारा सैय्यद सलाहुद्दीन के नेतृत्व में 15 आतंकी संगठनों का एक महासंगठन– 'यूनाइटेड जिहाद काउंसील' का गठन, (लश्कर-ए-तैय्यबा, हरकत उल-अंसार, हिजबुल मुजाहिद्दीन प्रमुख)

61

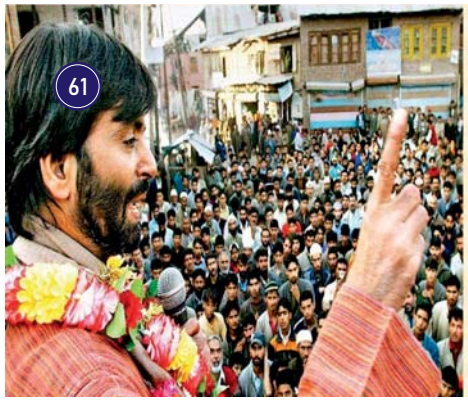

- 1994 – JKLF नेता यासीन मलिक तथा 1997 में अमानुल्लाह खान द्वारा Cease Fire की घोषणा एवं लोकतांत्रिक रूप से 'आजाद कश्मीर' की माँग जारी

62

1995-99 का काल

- 1996 – जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन समाप्त एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रारंभ... परन्तु आतंकी गतिविधि जारी

63

- 1999 – फरवरी में लाहौर समझौता और मई में कारगिल युद्ध

- दिसम्बर 1999– इण्डियन एयरलाइंस के विमान का अपहरण करके कंधार ले जाया गया और यात्रियों के बदले अजहर मसूद को रिहा किया गया

64

65

- 2000– अजहर मसूद द्वारा 'जैश-ए-मोहम्मद' का गठन,

उद्देश्य– कश्मीर का पाक में विलय

- 2001 – आगरा शिखर सम्मेलन..... परंतु असफल

66

67

- 11 सितम्बर, 2001 – अमेरिका में आतंकी हमला;
अमेरिका द्वारा 'War on Terror' प्रारंभ...

इसका असर विश्व आतंकवाद के साथ भारतीय आतंकवाद पर भी

68

2008 के बाद

- 2008 – 'अमरनाथ स्राइन बोर्ड' की जमीन PDP द्वारा ले ली गयी जिसके विरोध में हिन्दूओं का प्रदर्शन एवं सड़क जाम –

कांग्रेस के गुलाम नबी आजाद द्वारा भूमि वापसी का ऐलान –

PDP द्वारा समर्थन वापस और राष्ट्रपति शासन

- अगस्त, 2008 – कश्मीरी जनता द्वारा पाक के साथ व्यापार का निर्णय और 'मुजफ्फराबाद चलो' का नारा – फलतः पुलिस फायरिंग, 6 मुस्लिमों की मृत्यु, तनाव एवं अलगाववादी सक्रियता में वृद्धि... परन्तु स्थिति पुनः नियंत्रित

70

- 4 जनवरी 2009 – J & K में चुनाव, पुनः शांति और 2012 में... उमर अब्दुला द्वारा AFSPA हटाने की माँग

- दिसम्बर, 2015 – भारतीय प्रधानमंत्री की पाकिस्तान यात्रा और भारत - पाकिस्तान संबंधों को सुधारने हेतु पुनः प्रयास प्रारंभ

- मई 2014– नवाज शरीफ का भारतीय प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में अतिथि के रूप में भारत आगमन

- 2 जनवरी, 2016 – पठानकोट आतंकी हमला और 7 जवान शहीद

- सितम्बर, 2014 – UN में नवाज शरीफ द्वारा कश्मीर मुद्दा को उठाया गया

- 8 जुलाई, 2016 – बुरहान वानी की सेना के साथ मुठभेड़ में मृत्यु और 9 जुलाई से कश्मीर में हिंसा प्रारंभ और 31 अगस्त 2016 तक – 70 मृत्यु एवं 11,000 घायल

- दिसम्बर, 2014 – जम्मू-कश्मीर में चुनाव... मतदान में भारी जन-सहभागिता

- 15 अगस्त, 2016 – भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा लाल किला से PoK और CoK पर दावा तथा बलूच मुद्दे को उठाया गया

हिजबूल मुजाहिदीन

- दिसम्बर, 2014 – हिजबूल मुजाहिदीन द्वारा बुरहान वानी को एरिया कमांडर नियुक्त... और आतंकी गतिविधिया तीव्र – फलतः भारतीय सेना द्वारा... 'ऑपरेशन ऑल आउट' प्रारंभ

- 4 - 5 सितम्बर, 2016– चीन में G-20 शिखर सम्मेलन और भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को कटघरे में खड़ा किया गया